



ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ सिद्धिं जगत् उन्मूलयन्तं स विद्याकलीमुनी ॥ सयुक्त
सिद्धिं कृपासनं ज्ञाय ॥ ॥ यासां कवलिनां कृष्णं वपुः शक्यं वृत्तेन ॥ कृद्वदय ॥ ॥
ध्वजं कृत्वा सयुक्तं संधाय ॥ मनुयालयावकाय ॥ ॥ एकमनसा हृदयान्
मन्त्रं वत्सुमन्त्रं वा वदध्यासकाय ॥ ॥ मनु उं विषविनाहि ज्वलन् विमिषज्ज
ज्वलन् दिक्कुं कुं कुं कुं रुद्राहा ॥ सायात्रकाय ॥ ध्यानादवयारुल्लङ्घ
न ॥ ॥ जूज्ज ॥ ६ रुद्रं रुद्रं धीर्ययाहनं कुं धवयावलमथा क्वाध्वनसा
गुरुं रुद्रं देव ॥ जूधनेरयममाल ॥ विनयं जूमाकाय ॥ सैदरुमसा ॥ सि

द्विशयव ॥ भव्यावचननशकामतव ॥ धवद्वितयाइन ॥ कुकुजनुमा
दनं सफुभावकमाल ॥ अवस्यधरात्रयाकार्यसिद्धि ॥ १ ॥ अदद ॥ अइन
कसकवसन ॥ कनगवकार्यरात्रयभा ॥ गथसिद्धया यत्राकर्मथा गवधन
यादायकार्य ॥ अथलुइरसना धसिद्धभावक ॥ अइलइयारात्रय धकार्य
साधनय ॥ गथधावसाकु पुन्यवलदव ॥ गथकसिपडाध ॥ अफुयनिस्ये क
तिठगवा ॥ घालकइकामकुल ॥ विश्वासमतव ॥ धकार्यकनधनयन ॥
सेदहममालक धकार्यसिधयिव ॥ २ ॥ अयद ॥ अइन कसकवसन ॥
नरात्रयाकार्यसिद्धयिव ॥ हयायत्राकर्मथाडाडातिहाव ॥ नानावद्वियाइन

मजिभ ॥ सिधयक कृवा ॥ मसिधयक काटिवा ॥ धनमव ता कार्य विनायाइ
न ॥ नूमा कार्य गाल गाव ॥ ३ ॥ अउद ॥ शक्ति के सकन ॥ केसन रावया
कार्ययाइ न ॥ केन निग्रयन सखावायमालना ॥ धननिग्रासोइयव
रावय ॥ धसखावाक गाल गाव ॥ गुरुइल सगाल गाव ॥ कार्ययाइ न
धानसुवृद्धिइसी ॥ यामवनसाधनपारादय ॥ क्वाया तसा कार्य सिद्धिइय
धनसुवृद्धियाइन कार्ययाइ न ॥ ४ ॥ अउद ॥ धससुनसकाकाखडा
केनविनयपा कार्यडा ॥ वूलिलाकडा ॥ मलाकडा साइन ॥ केनरावया
कार्यस ॥ लम्बीलान ॥ आनन्दइसन ॥ वलवनगुरुमदात्र ॥ केसनधव

वृद्धिन कार्य साधनयमाल ॥ अमागगुयनि सी ॥ केवपीतियायधकवन
सर्ना ॥ अमावसीतियायमगत्र ॥ केनधवमगीधीर्ययादावसाव ॥ ॥
के ॥ खसददयुव ॥ अमासायाववन ॥ धूर्तजनसय अमा श्रीता ॥ विघ्न
मदयकेसीधयिवद ॥ ५ ॥ अउद ॥ केइनकेनमगीधीर्ययादाव ॥
के ॥ नगुयनिसव ॥ रूतार्थव ॥ विनाधशव ॥ केनसववा ॥ अफुयनीदाकांजा
मानसववा ॥ कार्ययायस ॥ अउदीगइयमाल ॥ गफुयाववनन ॥ कार्य
साधनयमगत्र ॥ अनूयसायावयाका कार्य अउसी सिधयिवद ॥ ६ ॥

जुयव ॥ कुनया हा कार्यया हा रुख ॥ ध्यास सुसठडा ॥ मनसान विनकरया का
य गथा ध्यास ॥ हसुयदया वरु माथा ॥ हीन इ सीवने ॥ अथा पुडा रसभा
न कमनया हा वरु ॥ माहा माहा वृद्धि वरु मिगव सम ध्यास हा ॥ सिधयिव
का ॥ ॥ १ ॥ अदु ॥ ध्यास सदवया रुलन ॥ कुन विनकरया कार्य हा
॥ दुहा हा ॥ अभा कार्यया याग ॥ मिगडा सम ध्यास भाव ॥ ध्यास मिगडा
भायिव ॥ अभा कुन रात्रया कार्य ॥ गव कुनी गव ॥ गथा ध्यास नानयाय
माल ॥ लिथा विवाद इय वरु ॥ दिन रिठ सायाव ॥ नानयाग सा ध
न सिधयिव ॥ रात्रया कार्य सिधयिव ना ॥ ॥ ८ ॥ अजुव ॥ दुहा कुका

य रात्रया गुनी सिधयिना ॥ मसिधयिवना ॥ धामन मगत्र ॥ भावसा स
म ध्यास हा ॥ धवसत्री वरु का या रुन ॥ मनस न कमनया रुन ॥
मन कठिन इय मगत्र ॥ ध्यास हा रुसा ॥ कु कार्य सिधयिव निधय ॥
॥ ॥ अजुद ॥ समसु काय या रिठम ॥ काय या रु रुसा यसा सुख ध
धगथालया हाव ॥ सुवृद्धि या ॥ धव कुल धवता या कवल रु ॥ सिधयि
नथने ॥ कु गफुय निधने ॥ विद्यया यगद कुन सवरा ॥ गव क वृ विव सव
अभा गफुडा वाय मगत्र ॥ अवसी रिठ कार्य इय व निधय ॥ ॥ १० ॥
॥ अजुय ॥ कुनया हा कार्यस ॥ हाया मिगया सो ॥ वधु गनिय निसे या

॥ हाकुरुख, तिनकीकुरुसयमाल ॥ मनसदाखदयल्वरुवख ॥ आमाध
 मंगुमाशस्य, गुमाकार्यसिधयिवख ॥ विसाधशयल्वरुव, नथन
 दामयागुनूयन, कार्यसिधयिवनिधयख ॥ सीगाखइसभ ॥ ११ ॥
 ॥ ॥ अयय ॥ केनविनयवावजायाख, धसासुसठठा, धवधगगान्मा
 थिलवेगशस्य, मनवायविधूरयाठावनिधनसिधयिवख ॥ १२ ॥
 ॥ गुवव ॥ ठेकनधसागयापविदा, धमविनयवाकाय, सुयूरख
 आदिन, रुगिजनवसमधययाव ॥ नमानसावाडत्यनिशयगनडासी
 ननानेसिधयिवख ॥ गालिहिनीसफ़यावूदिन, गावियल्वरुव ॥

गुमागफ़याववन, लकडिसीउकमनयाइन, गुवसीसिधयिवख ॥ १३ ॥
 ॥ गुवगु ॥ धयाससदवख, केमनसईदिथठठ, मडियल्वरुवखना
 गुथानेनिनासाइयमभय ॥ भवनयावकेसायाव, वधूयाववननसिध
 यिवरु ॥ १४ ॥ गुदय ॥ ठेकनकेनकाकायाकावया, गुधवावडाउ
 थ्य ॥ द्यानामदयकेवनमजीय, धधमवडाडावमदयके, कायामसि
 धधववलनमवाव ॥ धथानेधीययावलन, धयवाडावसासुमाय, इ४
 खसयशकोमाससिधयिवरु ॥ १५ ॥ ॥ गुवगु ॥ ठेकनकेमनस
 गथधान, धसासुसनाशरसा, ननानेमसिधू, वनूइनशकाकुमधय

उथाने वाकू वचनया हा वशालसा भवयाकडपकात्रयाइन दवसक
 वलहा छाने गतियावलननाथने सिध विवर ॥ १३ ॥ ठूंमिनेयात्रसा
 पाये सोतया पासाकवलि पथमश्राध्यायसमाप्त ॥ ० ॥ ॥ ॥
 खवव ॥ थथपासदवया पत्रिकाठठाकूनन ॥ ० ॥ ॥ ॥
 तिधीर्यायाठाव कुनकासात्रयाडाकाया नि प्रयने सिध विवर ॥ १४ ॥
 दानकाशयमात्र ॥ सायतर्पमानदयादगावकार्य सिध विवर ॥ थव
 गत्रीवनिदानयाव ॥ कार्ययागसर्ग भवनमश्रायाकदव । धर्ममद
 यादने शीपत्रमध्वनयाकदवाध्यायसमाप्त निश्चयख ॥ १ ॥ ॥

१ ददय ॥ शीपत्रमध्वनयावचन ध्यासदवयारुल छइन गथां
 सात्रयाकायाडे निस्त्रिनाश्रुनिस्त्रिना ॥ गतद्धिदतसी छन्नर्वविष्णु
 नमतेव ॥ छकभवनसायमश्रादव थथाशत्रसर्ग गफ्रपतिव विः
 लाधमतेव हतिथदनकजायमाल ॥ २ ॥ वयद ॥ कुनसात्रयाकार्य
 यायतव ॥ छुछदवतासक गतिर्वदूयाक समक्षत्रशकामाल ॥
 समस्तकार्य नारदयूव शिष्टकार्य श्रात्मास्वासशसर्ग ॥ ३ ॥

॥ वज्र ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥
भवया उयकात्रल, कुर्याय विश्वासमदत्त, विधाधया हा गुरु दाक्षि,
रिनकथाका, नानापवित्र, वाधयत्रसर्मा, जूमा गुरु भवक या गुरु
उसत्रसा, कुनया हा कार्य सिद्धि श्रवस्व ॥ ४ ॥ ॥ वयव ॥ ४ ॥
कुनया हा कार्य, कुनया हा कार्य, कुनया हा कार्य, कुनया हा कार्य,
हाव, वकनावचन कालसा, जूमा गुरु यावत का गाय रुतासा, विन्

त्रया कार्य सिद्धि यिवस्व ॥ ५ ॥ ॥ ववद ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
भवन कौटुम्ह, जूथ श्रवसर्मा, कुनया हा कार्य, कुनया हा कार्य, कुनया हा कार्य,
धयायुव, धयायुव, धयायुव, धयायुव, धयायुव, धयायुव, धयायुव, धयायुव,
य सिद्धि यिवस्व ॥ ५ ॥ ॥ ववद ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
कार्य, सिद्धि यिवस्व, सिद्धि यिवस्व, सिद्धि यिवस्व, सिद्धि यिवस्व, सिद्धि यिवस्व,
वसा, समुद्र यात्र यायस, नाम वाचमहि मद्याव, विन् व श्रव धा

ध्याययायविवागिनइहं ध्याययाहं निरुथयाहन॥ इकायिध
युवक॥ ॥ १ ॥ वदम् ॥ केनरावयाकार्यं लीयवभन्ववत्सुम
नयानइकासिधयिव । ह्यासमध्वययादा कँगतिवपीतियादेसम
मगत्र ॥ अभाईगति नध्वय खयासत्यमदा अभाईतावगावज्ञव
सासिधयिवख ॥ ४ ॥ ॥ वयय ॥ ६ इनेकुकरयनरावयाकार्यं
हतासायाव वयमइथादह नानाउमयाहनेरिनकधकाताहय

धकार्यगालगावभवकार्यसाइन ॥ ९ ॥ ॥ वमूय ॥ ६ इनेकु
सकरयन कुकरसमगस विनवयाकार्य ध्यासुनलसत्रा
इलयवदगावनत्तिरावपीदियावा खवरा धायरिगवख भवरासन
गथयैक्रियात्रागवृठवायाव हृष्टविद्या हावगहृष्ट धनजन
सपत्तिदय धकार्यययाइनसा भवमीनरकार्य ॥ १३ ॥ १० ॥
वयम् ॥ ॥ धीर्ययाहनसाधवपिवधकार्य केनरावयाकार्यसि

द्विदव॥ कृगधयाद्याविदव॥ धसागवेद्यसीगालगत्यकार्यं॥ माहाज्ज
नन्दशयूव॥ कृगिदगार्थमिणवनायवाढ॥ समधायवाढ॥ सय॥ किदुल
॥ ११ ॥ ॥ वज्रव॥ कृनचिकवयाकार्यस॥ गफ्रयनिर्णविशाययाक
दा॥ अमागफ्रन॥ नकमनयागा॥ कृनमरुदा॥ भवगाकार्यसाइन॥ अमा
मगव॥ रिदमखाग॥ १२ ॥ ॥ ववज्र॥ राद्धिक्कसकलसाइन॥ अहिगइयी
धयंगनराययाकार्य॥ अगीरिदमइन॥ थाक्॥ अमाकार्ययागादलि

थयथानना॥ अमावागिया॥ ।वालिग॥ वनाकवसजायार्थ॥ नथनेमसि
यूना॥ १३ ॥ ॥ ववज्र॥ कृनक्काकार्यरायवा॥ मरिदकार्यरायव
वाक्कन॥ अमाकार्यइविगक्क॥ आवगर्थजालिसइक॥ ठार्थ॥ नथनेमसि
यावलन॥ जालनयिहायाव॥ धक्कदसमूदवसयिवाकर्थ॥ रिभरुवक्क
अयागादगिथ॥ १४ ॥ ॥ वदव॥ ठठावृक्ककस॥ मगीधीर्ययाठाव॥ जाल
सा॥ सिधयीरुवक्क॥ भवूनइक्कासयकमनव॥ गर्थवलनयनिसमात्माथ
विद्यथदद॥ कृउमसवगागथ॥ थवमात्मानचिकवयावसाइन॥ सुवृद्धि

यादनाकात्र सिधयैरुव द्दिदवरु ॥ १४ ॥ ववय ॥ द्दिदुम ध्या
 काठाव स्या पत्रिका कुनरात्रया कार्य सिधयिव निष्ठयने सीतावड
 ममाल सुवृद्धियाई शीकलद तासकवलहाडा थमशकाविनायाय
 माल ॥ १५ ॥ ॥ ॐ तिन्नपात्रराधायाईवायाहीपासकवलिसास
 द्वितीयजुआय ॥ ॥ ययय ॥ कुनकाठायासाददयारुडा कुनरा
 त्रया कार्यडा गात्रराकरासाइन ॥ ॐ द्दिदव तासक रुकावलहाडाना
 गयूनिसिनहाया वलुमागवधदर्थ थकार्ययाव सिधयिवरु ॥ १६ ॥

॥ यदद ॥ द्दिदध्यायव ॥ अमाकुनरात्रया कार्य भवून विद्ययाकदव ॥
 मानापत्रिका इष्टव वियलैरुव ॥ अमाविद्ययायगद केसवरा रुमिच्छाद
 नकीजायव ॥ अथानीह नियायमनेव ॥ रुमासवायमनेव धीर्ययायमात्र
 गाशकावियरुव निष्ठयने सिधयिवरु ॥ २ ॥ ॥ यदय ॥ सुखगव
 आखलयागदवया रुकुडा कुआसासशकालकमनरु खवराभ
 व ॥ अमाकार्यथववरागमसिधत्र शीयवमरुमरात्रयाववमदयकमसि
 धु ॥ चथने विद्ययाज्ञरसाने कुनामइव निथीसिधयिवरु ॥ ३ ॥

॥ ययदव ॥ निस्सि सासुया खड्डा, कुनक्का रावया, शीले दूदवगाया कं
 लावायाव, सिधायिवक्क, शीयनमश्वरसी रुगवाभासु सिद्ध सन, माल रंग
 धीसनया दार्थ, माल रंग जत्रयी ध्वकार्य सिधयित ख ॥ ४ ॥
 यवद ॥ डडन, कुसकरसी, रावयाव जाया कार्य, मूगी इग्नवना मयस
 जाया ध्व, माहाकन जाय इकादयूव, धवसा भाल गाव, यत्र दलागमन!
 यागसा, निष्ठयनी रिड ॥ डली वा दानवा इरसा निष्ठयनी मसि वूना, पू
 मा कार्यस जाय मग्नना ॥ ५ ॥ यदव ॥ डडन कुट्टक कसन, कुनवि

कत्रयाकार्य भवयायुयित्थवश्रुयितमइ ॥ अथार्न्यायममात्रं रुगा
 समगत्र ॥ यूनवलनसिधयिवक्र ॥ ३ ॥ यदश्रु ॥ नष्टककस ॥ क्वं न
 स ॥ रात्रयाकार्य दामनदा ॥ सिधयिवत्रा ॥ मसिधयिवत्रा ॥ रात्रयूक्तं न
 क्वं रात्रयमदा ॥ नष्टकादा ॥ धसक्यनिसन ॥ क्वं विनाधयाय ॥ निधय
 मश्रु ॥ धननयकतयातसा ॥ सिधयकजीवख ॥ क्वं नष्टकायामयातसा
 मसिधुनिष्ठय ॥ १ ॥ ॥ यश्रुद ॥ क्वं नष्टकक ॥ क्वं विनाधयाकार्य

न भवन उय दग विवड् अमाया उय दगान कृणक वरु क म न न आ
रं अमाया वचन न आयान मसिधर अमा भाल ताव धीरु द
वगा ले सु मयान सीय हि रु ल द यूव ॥ ८ ॥ यवव ॥ साइन कुन
यादा कार्यस मन सान विनय याव भवन उय दग विवड् अमा वि
षास याय मगय थव माता सुवुडिया दन आरसा निधुयने ॥ ९
सिधयि क ॥ १० ॥ यवय ॥ भवृक कसन क्षानि मि लि न अमा

कार्यस यववा सी आया यववा कथा माद लि उथा रु शर सनी सि
धयिव ॥ १० ॥ यय अ ॥ कुन मस विनय या व आया कार्य सिधवसा
मसिधवसा कृणल मथा कृण ग्य या पुता वन मय साने सिधयिव क
॥ ११ ॥ ॥ य अ ॥ कसक व सी मन विनय या कार्य सिधय क ०
कृ तव गव उनु या गसा अमा कार्य मसिधर सम सत्रा क सने रु नि
य नि सी गल सा कार्य या रु रुदा सत्र सा ॥ दन शका ददाव मठ न

611

शका न ७ स्व... खयासाव शकसवसा सिधायिव द ॥ १२ ॥ ० ॥
ययव ॥ कन विक्त त कायो माहा ३४ खसयमान वकन मयय के म
तमकाव यं त द्विती मगद्वयकयात वकन साधय पाया साधय
मान ॥ काय यो रुथाला यावया दल ॥ १३ ॥ ॥ यमय ॥
कन... सिधयकेथका कनविक्तयाहन आसन ॥ १४ ॥

यद् धर्तन विनय कार्य मखा मगधना ॥ ७ ॥ ॥ दयव ॥ ध
 लठठा धव कार्य सदका कार्य स कवृद्धिया कल रुदव ॥ अथानु
 सनी दिन सिद्धसायाव कार्ययाव अवसी सिधयिवरव ॥
 ॥ दयअ ॥ धर्त कार्य कृता जाय मखा ॥ तव नवय निरु जाय कार्य सव
 द्विशयमाल भव्यावृद्धिन जाय मगध ॥ धर्त कार्य थव वृद्धिन जाय माल
 ठ शयवना ॥ ८ ॥ ॥ ददव ॥ धकाय निरु कथा को क गथा धाव

रसा सिद्धया कृषुय इति ठालाथ माहारय ध्याथ नथान
 कृताय यावरावन शका सिधरसा धां दिशकामाल ॥ ९ ॥ ॥
 दमूय ॥ धिनराय या कार्य रुग मम सिधरला नथाने दान यावलन
 न कायावलन दगसा सिधरय रुव नथाने थाक ॥ १० ॥ ॥
 ॥ ददद ॥ धन विनय या कार्य लुक्क पद यावल नुमाथ क्रिक्रिद्धि
 या नव विमिदव था गथा सीवृद्धया द वाकवाग दथा मूमा कार्य

सिधयिवनिधय ॥ ११ ॥ ॥ददव॥ कुनरात्रयाजुमा कार्ययाद
नसेयदि हल हगासमतय सकुयनिधन विप्राधयादन कार्य
नागायायगद ॥ धीर्ययावलन ॥ दानयून्यायाववला सकुयनिव
लकावर्क कार्यसिधयिवद ॥ १२ ॥ दजुव ॥ कुनरात्रया कार्य
ननाने सिधयिवद ॥ कुयदनसमसुलाकीने यतियात्रयायमा
वला ॥ नाना कार्य कु विनयवरी ॥ कार्यसिधयिव ॥ १३ ॥

॥दजुजु॥ कुनरात्रया कार्यसिद्धिरिद ॥ कुकआवलाक याववननरु
कामतेव ॥ एकागायायमतव ॥ गुपतयायमाल समसुकार्य गथं धा
वला ॥ कुवमथं ॥ थववंगसेवाधयाका कार्यमूतिरिद ॥ १४ ॥ ॥
॥दवय ॥ धकार्ययादन ॥ सुखसेयदिदयव ॥ विरुथिवइसने सिधयि
वनिधय ॥ सेयमूमात्र ॥ १५ ॥ दवजु ॥ धकार्य गवतवलाकन ॥
जुगंडनपेयाद ॥ माहा ॥ इइव धकार्य ॥ कार्ययाह ॥ गुदा ॥ गुफइ

कामाल ॥ एकमनया कुरु जूवसी सिधयि ॥ १० ॥ ॥ ॥
ॐ निरुगवान्णीम्य मूली सी कृया नीमि पात्रगाया वासा कंव
लिनी कुरु वदुथे आध्याय समा फ ॥ ॥ ॥ ॥ कल्याण राव ड ॥

रनमः ॥ मरुना आयन मनम ॥ ॐ नु दि द डी ग डी रु नि न या द यु म ॥ दं स नी
मिनय निगुरु म र्जी नाय ॥ कसु नि क क म सु वा सि न द ह द वि ॥ न साव दा स क न
सिद्धि त द न मा मि ॥ १ ॥ ह मानय विमन सूयित वा ल ल नि या न म न ल व न
ग म न ल नि रि ॥ सि क का सि न र र व न श्व न दि ॥ ल ल वि ॥ २ ॥ व द न
ना ग गु न स व द का सि न न ॥ वा ज व नि त्रि त्र डी न श्व ल वि द नू वि ॥ सा व नू व
स क न य ल क ऊ क म ना ॥ ५ ॥ ३ ॥ लू या मि न मा न सि द न क ना स नू वि ॥ का
नि मे नां दु लू ना न वि र्थ डी नि यं ना ना य वि दू न न ल ला स डी मि ॥ ५ ॥ ४ ॥

२ संभ्रानकवर्षकृष्ण सावदास्यः वातात्मनः मिदसात्रययुक्तिरिति संभ्रान
दिवाकं गतकिंवउतिस्वयति ॥ ५॥ ७॥ संभ्रानवचनादिनसूयसागुंदिवा
ननाप्रयसनाविधिनाना ॥ यस्यामनात्रयवार्थसिद्धियत्वा ॥ ५॥ ७॥
कस्यपियुगयविजिगातासूनादि ॥ दूर्यसूवासगतवर्तनत्रिगानि ॥ निरुभे
मसिनसागवम्ययाव ॥ ५॥ ७॥ यवकयुमंगुडाहदिनमंगनाय ॥ सर्वाधरा
कडसुगमित्तम्यता ॥ लसूनवम्ययवद्वयिनासयति ॥ ५॥ ७॥
॥ ७॥ सात्रकातगुं संभ्रान ॥ ५॥ ७॥

उत्तमसत्त्वकृष्ण ॥ दूर्यसूवासगतवर्तनत्रिगानि ॥ निरुभे
मसिनसागवम्ययाव ॥ ५॥ ७॥ यवकयुमंगुडाहदिनमंगनाय ॥ सर्वाधरा
कडसुगमित्तम्यता ॥ लसूनवम्ययवद्वयिनासयति ॥ ५॥ ७॥
॥ ७॥ सात्रकातगुं संभ्रान ॥ ५॥ ७॥

नमः सादवा ग्राह ३३ जमयु पत्रिजन म्मा मी म्म क दी त वि
म म्म क दी त ॥५॥ अ का कि दी न व स्या मी ग्राह ॥५॥
न क्क्या म त्त ॥ अ त व ग न सा ज ॥ अ व व ल व ॥ अ ना थ ॥
ति ॥ अ त व क्क्या म म्मा का इ न धा व म्मा दि वा ॥ अ ना ॥
न व म्म म न वि द्द न ग म्मा म्मा दि वा दी त अ वा त्त न मी द्द का त्
ता म्म ॥ म्मा ती प्त न वि नी द्वा वी वा न्द म्मा की त व म्म म्मा
मि द्द वा न ग्राह ॥५॥ क्क्या

रतमा व अय ॥ जालि द प क मनमः स भुलस्य म ह
दविः पुनिज्म सा समवा ना ज्ञा हसा हा निमिना
समय प्रविना हः अनाथ दुख प्रता व व व लय न जि
ना ह ॥ ५० ॥ मा ग्रा प्रीति ह निश्च वा प उ दाना गु ह
ज नो ॥ ५१ ॥ उ म नु म या द ता ॥ ५२ ॥ ज म या प नि ज
न स्या ॥ ५३ ॥ शु द न क म गु कि ता य का कि ता न व स्या

मि ॥ ५४ ॥ जिन क य म हा धी लः ज ना न ज म ह ज म ग
लः ॥ ५५ ॥ व लु ता त य ना य ॥ ५६ ॥ ज ह मा प ग जिन ना का स
मा लु य ॥ ५७ ॥ म ल ज म ग न त य लः ५८ ॥ न य ५९ ॥ म य ह द्या
॥ ६० ॥ य म्मा व म्मा न विज्ञ ना ॥ ६१ ॥ म्मा ग म्मा न वा दि ता
जु व न्ना न मि द का ल ॥ ६२ ॥ मा ट द्या नं यि ता धा न ॥
प या न र य म का न ॥ ६३ ॥ म्मा मि ति ॥ ६४ ॥ मि न धा न ॥ ६५

कु तं मया सु व तं दा ॥ अ धर का म्म वि ना सि तं ॥
कु तं मया सु व तं दा ॥ अ धर का म्म वि ना सि तं ॥
पु न ना कं न जा नि तं ॥ सु तं क म्म सु तं न ॥ अ धर का
सा वा य य थ का सि ॥ ह म न वा य ना ह तं ॥ अ धर का
वि तं तो क ॥ अ ॥ अ त्र वे क थ के ॥ अ त्र वे क थ के

रु नि ता स मा ॥ य थ ॥ अ त्र वे क थ के ॥ अ त्र वे क थ के
ना ॥ अ क थि सु न ॥ ह ता क दं व सु म्म अ प ला अ ह
सु त दा मे न ॥ अ ॥ अ त्र वे क थ के ॥ अ त्र वे क थ के
कु वि अ त्र वे क थ के ॥ अ त्र वे क थ के ॥ अ त्र वे क थ के
को मि अ त्र वे क थ के ॥ अ त्र वे क थ के ॥ अ त्र वे क थ के

सुख व व्याधि को ह कं जा क ना भः ह प्र शा ७
"नै जा क ज व ल न न ॥ १ ॥ न नि शा म द आ
व ल वि नै अ ह ना न क स्या ॥ न न को व न न
व सु न स मा प्र शा ॥

स

नागविहास ॥ मन्मन्नाथं ननु गन्मन्निदं
यन्नाम् ॥

१ संवत् ७७७ मिनि २७७

